प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 5 (2019–20)

हिन्दी–ब (कोड–85)

कक्षा–9

निर्धारित समय– 3 घंटे अधिकतम अंक– 80

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 15

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 9

व्यक्ति के जीवन में संतोष का बहुत महत्त्व है। संतोषी व्यक्ति सुखी रहता है। असंतोष सब व्याधियों की जड़ है। महात्मा कबीर ने कहा है कि धन–दौलत से कभी संतोष नहीं मिलता। संतोष रूपी धन मिलने पर समस्त वैभव धूल के समान प्रतीत होता है। व्यक्ति जितना अधिक धन पाता है उतना ही असंतोष उपजता जाता है। यह असंतोष मानसिक तनाव उत्पन्न करता है जो अनेक रोगों की जड़ है। धन व्यक्ति को उलझनों में फँसाता जाता है। साधु को संतोषी बनाया गया है क्योंकि भोजन मात्र की प्राप्ति से उसे संतोष मिल जाता है। हमें भी साधु जैसा होना चाहिए। हमें अपनी इच्छाओं को सीमित रखना चाहिए। जब इच्छाएँ हम पर हावी हो जाती हैं तो हमारा मन सदा असंतुष्ट रहता है। सांसारिक वस्तुएँ हमें कभी संतोष नहीं दे सकतीं। संतोष का संबंध मन से है। संतोष सबसे बड़ा धन है। इसके सम्मुख सोना–चाँदी, रुपया–पैसा व्यर्थ है।

1. कैसा व्यक्ति सुखी रहता है? 2
उत्तर : संतोषी व्यक्ति सुखी रहता है क्योंकि असंतोष सब व्याधियों की जड़ है।
2. संतोष रूपी धन मिलने से क्या होता है? 2
उत्तर : संतोष रूपी धन मिलने पर समस्त वैभव धूल के समान प्रतीत होता है।
3. अधिक धन पाकर मनुष्य के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है? 2
उत्तर : अधिक धन पाकर मन में असंतोष उपजता जाता है। यह असंतोष मानसिक तनाव उत्पन्न करता है जो अनेक रोगों को उत्पन्न करता है।
4. हमें साधु की तरह क्यों बनना चाहिए? 2
उत्तर : हमें साधु की तरह इसलिए बनना चाहिए क्योंकि साधु की इच्छाएँ सीमित हैं। यदि हमारी इच्छाएँ सीमित होगी तो हमारे मन को आसानी से संतोष मिल जाएगा।
5. गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए। 1
उत्तर : जीवन में संतोष का महत्त्व।

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 6

दो न्याय अगर तो आधा दो, पर इसमें भी यदि बाधा हो।
तो दे दो केवल पाँच गाँव, रखो अपनी धरती तमाम।
हम वहीं खुशी से खाएँगे, परिजन पर असि न उठाएँगे।
दुर्योधन वह भी दे न सका, आशीष समाज की ले न सका।
उलटे हरि को बाँधने चला, जो या असाध्य, साधेन चला।
जब नाश मनुज पर छाता है, पहले विवेक मर जाता है।

1. कवि ने न्याय में क्या चीज देने की बात कही है? 2
उत्तर : कवि ने न्याय में पाँच गाँव देने की बात कही है।
2. दुर्योधन ने उनके निवेदन के बाद क्या किया? 2
उत्तर : दुर्योधन ने उनके निवेदन के बाद भी उनको, माँगे गए गाँव भी नहीं दिए। इसके विपरीत वह श्रीकृष्ण को बाँधने के लिए चल दिया।
3. इन पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। 2
जब नाश मनुज पर छाता है, पहले विवेक मर जाता है।
उत्तर : इन पंक्तियों का भावार्थ है कि जब किसी की मृत्यु आती है तो उसकी बुद्धि का पहले नाश हो जाता है।

अथवा

आतंकी बस आतंकी हैं, इनका मजहब है आतंक।
मानवता नित झेल रही है, इन साँपो का निर्मम दंश।।
आतंकी फन फैला रहा जो, उसे कुचलना ही होगा।
एकजुट होकर सारे जग को, इन्हें मसलना ही होगा।।
निर्मम होकर नर–पिशाच ये, खूँ की नदी बहाते हैं।
ऐसा क्रूर कृत्य करने में, तिलभर कब पछताते हैं।।
निर्दोषों के शव बिछते जब, जालिम खुशी मनाते हैं।

खून बहे जब मानवता का, फूले नहीं समाते हैं।।
दुनिया भर में इन दुष्टों ने, कितना नरसंहार किया।
क्रूर सनक के कारण कितने, निर्दोषों को मार दिया।।
नरक बना डाली है धरती, इन पाजी हत्यारों ने।
जख्म दिए हैं मानवता को, इन निर्मम मक्कारों ने।।
सभी राष्ट्राध्यक्ष सुनें अब, इनसे बढ़कर टकराएँ।
तहस–नहस कर डालें इनको, तिनका–तिनका बिखराएँ।।
खत्म हुए गर नर–पिशाच तो, मानवता मुस्काएगी।
सुकूँ मिलेगा तभी जमीं को, जन्नत–सी बन जाएगी।।

1. काव्यांश के लिए सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक लिखिए।
उत्तर : 'आतंकवाद : मानवता के लिए गंभीर चुनौती' / 'नर–पिशाच हैं आतंकी'– सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक हो सकते हैं।
2. आतंकी कब फूले नहीं समाते हैं? ये निर्दोषों को क्यों मारते हैं?
उत्तर : जब मानवता का खून बहता है, तब ये आतंकी फूले नहीं समाते हैं। अपनी क्रूर सनक के कारण ये निर्दोषों को मारते हैं।
3. कवि विश्व के सभी राष्ट्रों के अध्यक्षों से क्या करने के लिए आह्वान कर रहा हैं? उसके इस आह्वान से धरती को क्या लाभ होगा?
उत्तर : कवि विश्व के सभी राष्ट्राध्यक्षों से यह आह्वान कर रहा है कि वे एकजुट होकर आतंकियों को तहस–नहस कर डालें। कवि का यह आह्वान अगर सभी ने सुन लिया और सारे देशों ने इन्हें नष्ट करने की ठान ली, तो धरती को सुकून मिलेगा और यह धरती जन्नत के समान लगने लगेगी।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 15

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए। 2
प्रोत्साहित, कृत्रिम, पुस्तक।
उत्तर : प्रोत्साहित– प् + र् + ओ + त् + स् + आ + ह् + इ + त् + अ,
कृत्रिम– क् + ऋ + त् + र् + इ + म् + अ,
पुस्तक– प् + उ + स् + त् + अ + क् + अ्।

4.
1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक का प्रयोग कीजिए। 1
सूघना, भाषाए, झाकते।
उत्तर : सूघना– सूँघना
भाषाए– भाषाएँ
झाकते– झाँकते
2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग कीजिए। 1
सस्कार, चचल, उपरात।
उत्तर : सस्कार– संस्कार
चचल– चंचल
उपरात– उपरांत

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ता का प्रयोग कीजिए। 1
जमीदार, फायदा, किताब।
उत्तर : जमीदार– ज़मीदार
फायदा– फ़ायदा
किताब– कि़ताब

6.
1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानकर लिखिए। 1
वास्तविक, सभ्यता, थकान।
उत्तर :

	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	वास्तव	इक
2.	सभ्य	ता
3.	थक	आन

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानकर लिखिए। 1
अभिमान, दुस्साहस, खुशनसीब।
उत्तर :

	उपसर्ग	मूल शब्द
1.	अभि	मान
2.	दुः	साहस
3.	खुश	नसीब

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में मूल शब्द के साथ जुड़े उपसर्ग और प्रत्यय को अलग कर लिखिए। 1
अस्वस्थता, विद्रोही, असमानता।
उत्तर :

	उपसर्ग	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	अ	स्वस्थ	ता
2.	वि	द्रोह	ई
3.	अ	समान	ता

7.
1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार शब्दों में सही संधि–विच्छेद कीजिए। 4
कवीश्वर, सीमांत, नरेश, हितैशी, परमार्थ।
उत्तर : कवीश्वर– कवि + ईश्वर
सीमांत– सीमा + अंत
नरेश– नर + ईश

हितैशी– हित + एशी

परमार्थ– परम + अर्थ

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन विराम चिन्हों का उचित प्रयोग करते हुए एक–एक वाक्य बनाइये। 3

अल्प विराम, प्रश्नसूचक चिन्ह, उद्धरण चिन्ह, विस्मयबोधक चिन्ह

उत्तर :

1. **अल्प विराम** (,)– हाँ, मैं तुम्हारा यह काम कर सकता हूँ।
2. **प्रश्नसूचक चिन्ह** (?)– तुमने आज किन–किन बातों को ध्यान से सुना?
3. **उद्धरण चिन्ह** (" ")– गाँधी जी ने नारा दिया था– "करो या मरो"
4. **विस्मयबोधक चिन्ह** (!)– वाह! क्या आलिशान कार है।

खण्ड–ग

(पाठ्य–पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक) 25

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

1. किसी व्यक्ति की पोशाक को देखकर हमें क्या पता चलता है? 2

उत्तर : किसी व्यक्ति की पोशाक को देखकर हमें पता चलता हैं कि उस व्यक्ति का समाज में क्या स्तर है और वह किस वर्ग से संबंधित है।

2. लेखिका को सागरमाथा नाम क्यों अच्छा लगा? 2

उत्तर : लेखिका ने नेपाली लोगों के मुँह से एवरेस्ट के लिए सागरमाथा नाम सुना। यह नाम सुनकर उन्हें अच्छा लगा।

3. कीचड़ जैसा रंग कौन पसंद करते हैं? 1

उत्तर : गत्तों, दीवारों ओर कपड़ों के लिए हम सब कीचड़ जैसा रंग पसंद करते हैं। कलाकार भी मटमैला रंग पसंद करते हैं।

9. कीचड़ सूखकर किस प्रकार के दृश्य उपस्थित करता हैं? 5

उत्तर : नदी किनारे जब कीचड़ सूखकर उसके टुकड़े हो जाते हैं तो उस पर पड़ने वाली दरारें बहुत सुन्दर लगती हैं। ये दरारें सुखाए हुए खोपरे जैसी दिखाई देती हैं। नदी किनारे फैला हुआ समतल और चिकना कीचड़ बहुत आकर्षक दिखता है। सूखे हुए कीचड़ पर बने हुए बगुले और अन्य पक्षियों के पैरों के निशान भी दिखने में सुन्दर लगते हैं।

अथवा

सबके कल्याण हेतु स्वयं के आचरण को सुधारना क्यों आवश्यक है?

उत्तर : समाज को धर्म के अनुसार चलाने के लिए हमें अपना आचरण सुधारना होगा। यदि हमारा आचरण ठीक नहीं होगा तो पूरा समाज ही भ्रष्ट हो जाएगा। लोग "मुँह में राम बगल में छुरी" जैसा आचरण करने लगेंगे। लोग एक दूसरे के साथ बुरा बर्ताव करने लगेंगे। यदि हम अपना आचरण सुधार लेंगे तो हमसे सीख लेकर अन्य लोग भी अपना आचरण सुधारेंगे। इस प्रकार एक के आचरण से पूरे समाज का आचरण सुधर जाएगा तथा सबका कल्याण होगा।

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

1. निम्नलिखित पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। 2

'टूटे से फिर ना मिले, मिले गाँठि परि जाए।'

उत्तर : यदि प्रेम संबंधो में एक बार दरार आ गई तो वे संबंध पहले की तरह नहीं रहते। उनमें कहीं न कहीं शंका रूपी गाँठ पड़ी रहती हैं।

2. कवि ने 'अग्निपथ' किसके प्रतीक के रूप में प्रयोग किया है? 2

उत्तर : कवि ने 'अग्निपथ' मनुष्य के जीवन में आने वाले संघर्षों और कठिनाइयों के प्रतीक के रूप में प्रयोग किया है।

3. बीमार बच्ची ने क्या इच्छा प्रकट की थी? 1

उत्तर : बीमार बच्ची ने देवी के प्रसाद का एक फूल लाकर देने की इच्छा प्रकट की थी।

11. 'खुशबू रचते हैं हाथ' कविता का केन्द्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए? 5

उत्तर : 'खुशबू रचते हैं हाथ' कविता में कवि ने समाज में व्याप्त विसंगतियों के बारे में बताया है कि जो लोग समाज को सुन्दर बनाते हैं उन्हीं को ही समाज अभावभरी जिंदगी व्यतीत करने के लिए विवश कर रहा है। ये लोग सुगंधित अगरबत्तियाँ बनाते हैं परन्तु इन्हें खुद गंदगी में जीवनयापन करना पड़ता है। इनके घर के आगे कूड़े का ढ़ेर लगा होता है और नालियों से बदबू आती है। दुनिया की गंदगी के बीच रहकर भी ये लोग दुनिया के लिए सुगंधित अगरबत्तियाँ बना रहे हैं।

अथवा

'एक फूल की चाह' कविता का केन्द्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए?

उत्तर : 'एक फूल की चाह' कविता में मुख्य रूप से दर्शाया गया है कि स्वतंत्रता से पूर्व हमारे देश में जाति–भेद की समस्या बहुत अधिक थी। किसी जाति विशेष के लोगों को मंदिरों में नहीं जाने दिया जाता था। एक लड़की ने बीमारी में देवी के मंदिर के प्रसाद की इच्छा जाहिर की, उसके पिता को प्रसाद लेने के बाद लोगों ने पहचान लिया कि यह निम्न जाति का आदमी है। उसे पीटते हुए

न्यायालय ले जाया गया। वहाँ उसे सात दिन का दंड मिला। जब वह लौटकर आया तो उसकी बच्ची मर गई थी। उसका दाह–संस्कार भी उसके पड़ोसियों ने ही किया। वह व्यक्ति बेटी के अंतिम दर्शन भी नहीं कर पाया।

12. भाई के बुलाने पर घर लौटते समय लेखक के मन में किस बात का डर था? 3

उत्तर : लेखक अपने साथियों के साथ बेर खाने गया हुआ था। जब गाँव के एक आदमी ने बताया कि उसका बड़ा भाई उसे बुला रहा है, तो वह डर गया। उसके मन में तरह–तरह के विचार उठने लगे। उसे अपने भाई से पिटने का डर सताने लगा। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि उसे किस अपराध का दंड दिया जाएगा। लेखक को इस बात का डर था कि शायद बेर तोड़कर खाने के अपराध के कारण उसकी पिटाई हो। बड़े भाई के हाथों मार पड़ने के डर से ही वह घर में डरते–डरते घुसा।

अथवा

'किताबों वाले कमरे' में रहने के पीछे लेखक के मन में क्या भावना थी?

उत्तर : लेखक को अधमरी हालत में घर लाया गया। जब उसे बेडरूम में लिटाया जाने लगा तो लेखक ने किताबों वाले कमरे में रहने की इच्छा व्यक्त की। उसे चलने, बोलने और पढ़ने की इजाजत नहीं दी गई थी। वह फिर भी चुपचाप किताबों को देखता रहता था। किताबों वाले कमरे में रहने का मुख्य कारण उसका किताबों के प्रति लगाव था। उसे किताबों से अत्यधिक प्रेम था और किताबों के बीच रहकर वह अपने आप को भरा–भरा महसूस करता था।

13. गाँधी जी के पार उतरने पर भी लोग नदी के तट पर क्यों खड़े रहे? 2

उत्तर : गाँधी जी के पार उतरने पर भी लोग नदी के तट पर खड़े रहे क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि कुछ और सत्याग्रही वहाँ आएँगे। उन लोगों को नदी पार कराने के लिए उन्हें वहीं खड़ा रहना पड़ा।

खण्ड–घ (लेखन) 25

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 5

1. **प्रचार के लिए विज्ञापन आवश्यक हैं।**
   • विज्ञापन क्या है? • विज्ञापनों के प्रकार • विज्ञापन की आवश्यकता।
2. **बाल श्रम (एक अपराध)।**
   • बाल श्रम क्या है? • कारण • समस्या • समाधान।
3. **'बालिका शिक्षा आवश्यक है।'**
   • बालिका अशिक्षा का समाज पर प्रभाव • बालिका शिक्षा की आवश्यकता • बालिकाओं को शिक्षित करने के लिए प्रयास।

उत्तर :

1. प्रचार के लिए विज्ञापन आवश्यक हैं

विज्ञापन का अर्थ है– प्रचार–प्रसार। सभी लोग अपने उत्पादों को पूरे विश्व को दिखाना चाहते हैं। इस कार्य को करने के लिए विज्ञापन एक बहुत ही सशक्त माध्यम है। समाचार पत्र, दूरदर्शन, टेलीविजन, इंटरनेट आदि अनेक संचार के साधनों का प्रयोग अपनी वस्तुओं के प्रचार–प्रसार के लिए किया जाता है। इन सबके माध्यम से कोई भी वस्तु उपभोक्ताओं तक अपना परिचय दे पाती है। विक्रेतागण अपने उत्पादों को अधिक से अधिक आकर्षक बनाकर दुनियाभर में बेचते हैं। इस कार्य के लिए वे किसी प्रसिद्ध अभिनेता या खिलाड़ी को भी माध्यम बनाते हैं। जिससे लोगों पर उनकी बात का प्रभाव अधिक पड़े।

2. बालश्रम (एक अपराध)

बालश्रम का अर्थ है– किसी बच्चे से उसके बचपन में मजदूरी या अन्य लाभ वाले कार्य करवाना। बच्चे मासूम होते हैं, उनके मौलिक अधिकार पढ़ना, लिखना और खेलना है। इस उम्र में ही उनके कंधों पर कमाई–धमाई का बोझ नहीं डालना चाहिए। इस प्रकार का कदम उठाना एक अपराध है। भारत में बालश्रम की समस्या बहुत अधिक है क्योंकि लोग गरीबी व लाचारी के कारण ऐसा करने को मजबूर हो जाते हैं। लोग अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बच्चों से मजदूरी करवाते हैं लेकिन इस समस्या का समाधान हमें ढूँढना चाहिए। हालांकि सरकार के द्वारा इस समस्या के समाधान हेतु कार्य किया जा रहा है। फिर भी हम सबका कर्त्तव्य है कि बच्चों को उनका मौलिक अधिकार वापस दिलाने के लिए सरकार का सहयोग करें। हमें लोगों को उन तमाम योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक करना चाहिए जिनसे बच्चों को पढ़ाने के साथ–साथ अभिभावकों को भी लाभ होता है। साथ ही अपने लाभ के लिए बच्चों से काम करवाने वाले लोगों और संस्थाओं के खिलाफ भी कार्यवाही करनी चाहिए।

3. 'बालिका शिक्षा आवश्यक है।'

तमाम सामाजिक कुरीतियों और संकुचित सोच के कारण बालिकाओं व महिलाओं को पुरूषों की मनमानियाँ झेलनी पड़ती हैं। यह उनके साथ अन्याय है। यदि हम मानते हैं कि महिलाओं और पुरूषों का मानव जाति के लिए बराबर हिस्सेदार होना चाहिए तो हमें इस बात को भी स्वीकारना चाहिए कि हमें बालिकाओं को भी उतना

ही महत्त्व देना है जितना हम बालकों को देते हैं। ऐसी कोई विशेष क्षमता बालकों में अलग से नहीं है जो कि बालिकाओं में न हो। केवल हमारी परंपरागत सोच ही इस बात का निर्धारण करती है कि बालिकाएँ, बालकों से कमतर हैं। बालिकाओं को भी उनकी रूचि और क्षमता के अनुसार पढ़ने और कार्य करने की आजादी मिलनी चाहिए। इसके लिए हमें एक बृहद अभियान चलाने की आवश्यकता है। जिसमें हम हर व्यक्ति को यह संदेश दे सकें कि बालिकाओं को पढ़ाना क्यों जरूरी है। देश की संसद, सरकार, कानून आदि के निर्णय में दोनों वर्गों की बराबर हिस्सेदारी होनी चाहिए। तभी हम किसी समाज की वास्तविक उन्नति कर सकते हैं।

15. आपका भाई घर से दूर छात्रावास में रहता है। उसे रक्षाबंधन के अवसर पर राखी भेजते हुए एक पत्र लिखिए। 5

उत्तर :

परीक्षा भवन
जयपुर
दिनांक : 15 अगस्त, 2019
प्रिय दिनेश
शुभाशीष

हम यहाँ परिवार सहित कुशल–मंगल हैं। तुम्हारी कुशलता की कामना करते हैं। मैं तुम्हें आने वाले पर्व रक्षाबंधन के सुअवसर पर हमारे भाई–बहनों के प्रेम का बंधन भेज रही हूँ। मैं जानती हूँ कि अभी तुम्हारी परीक्षाओं का समय नजदीक आ रहा है। अभी तुम भी नहीं आ सकते। इसलिए डाक से राखी भेज रही हूँ इसे अपनी कलाई में बाँध लेना। माता–पिताजी आपको बहुत याद करते हैं। समय मिलते ही जल्दी आना।

राखी मिलने के बाद पत्र अवश्य लिखना। तुम्हारे पत्र की प्रतीक्षा रहेगी।
तुम्हारी बहन
सीमा

अथवा

अपने मित्र को बोर्ड परीक्षाओं में प्रथम आने के लिए शुभकामना देते हुए पत्र लिखिए।

उत्तर :

परीक्षा भवन
दिल्ली
दिनांक : 10 अप्रैल, 2019
प्रिय आरती।

टेलीफोन पर जब तुम्हारी माताजी ने बताया कि तुम परीक्षा में प्रथम स्थान पर रहीं, तब से मेरा मन बहुत प्रसन्न है। मेरी ओर से तुम्हें बहुत–सी शुभकामनाएँ। इस परीक्षा के लिए तुमने वास्तव में बहुत परिश्रम किया था। हम सभी को पूरा विश्वास था कि तुम्हारी यह मेहनत अवश्य रंग लाएगी। तुमने प्रथम आकर यह सिद्ध कर दिखाया कि मन में पक्का विश्वास और अपने मुकाम को पाने के लिए लगातार परिश्रम के बल पर कुछ भी प्राप्त किया जा सकता है।

मुझे पूरा यकीन है कि भविष्य में भी तुम इसी प्रकार अपने माता–पिता का नाम रोशन करोगी।
इसी शुभकामना के साथ।
तुम्हारा मित्र
राहुल

16. दिए गए चित्र का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। 5

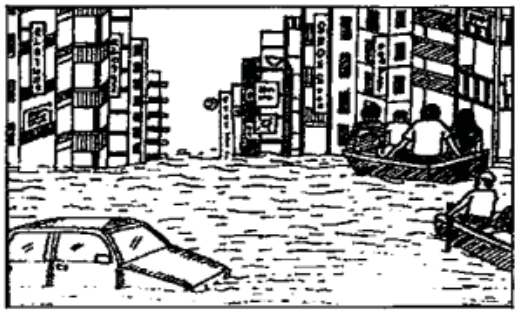

उत्तर : नगर में बाढ़ से बहुत बुरा हाल है। लोग अपनी सुरक्षा के लिए नाव में बैठकर सुरक्षित स्थानों की ओर जा रहे हैं। सड़क पर खड़ी कार भी तैरती हुई–सी दिख रही है। इमारतें भी आधी पानी में डूब चुकी हैं।

अथवा

उत्तर : स्वच्छता ही स्वस्थ जीवन का आधार है। इस चित्र में बच्चे एक आदर्श नागरिक का उदाहरण पेश कर रहे हैं। वे सार्वजनिक जगहों की सफाई कर रहे हैं। अध्यापिका भी उनका सहयोग कर रही हैं।

17. 'भोपाल बस अड्डे के पूछताछ केन्द्र में फोन पर पूछा गया कि शिमला के लिए आखिरी बस कितने बजे चलती है।' इस पूछे गए विवरण को संवाद के रूप में अपने शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

यात्री– क्या मेरी बात भोपाल बस अड्डे के पूछताछ केन्द्र में हो रही है?

अधिकारी– जी हाँ, बताइए हम आपकी किस प्रकार से सहायता कर सकते हैं।

यात्री– क्या आप बता सकते हैं कि भोपाल से शिमला के लिए अंतिम बस का समय क्या है?

अधिकारी– रात्रि 9.00 बजे।

यात्री– यह बस ठीक समय से ही चलती है ना?

अधिकारी– यह लंबी यात्रा वाली बस है इसलिए इसे अपने समय पर ही निकलना होता है।

यात्री– जानकारी के लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

अथवा

आप अमित हैं। अपनी मित्र राधा के साथ परीक्षा की तैयारी पर बातचीत को एक संवाद के रूप में लिखिए।

उत्तर :

अमित– अरे राधा, बहुत दिनों बाद दिख रही हो!

राधा– अमित, तुम्हें तो पता ही है कि एक सप्ताह बाद ही हमारी परीक्षाएँ शुरू हो रही हैं। उन्हीं की तैयारी में लगी थी।

अमित– हाँ, सही कहा तुमने मैंने भी अपने पढ़ने की समय–सारणी बना ली है। वैसे तुम कितने घंटे पढ़ रही हो?

राधा– मैं घंटों पर ध्यान नहीं देती। प्रत्येक दिन के लिए मैं अपना एक लक्ष्य बना लेती हूँ। जब तक वह पूरा नहीं हो जाता तब तक दूसरा काम नहीं करती हूँ।

अमित– यह तो बहुत बेहतर तरीका है।

राधा– हाँ, लेकिन इस बात का ध्यान जरूर रखना चाहिए कि सभी विषयों को पर्याप्त समय मिले।

अमित– तुमसे मिलकर तो मुझे एक बढ़िया तरकीब का पता चला। आज से मैं भी इस तरह अपनी परीक्षा की तैयारी करूँगा। धन्यवाद इस महत्त्वपूर्ण जानकारी के लिए!

राधा– अच्छा बंधु, परीक्षाओं के लिए मेरी शुभकामनाएँ।

18. **किसी ऑनलाइन कम्पनी की ओर से प्रचार करने हेतु आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।** 5

उत्तर :

आसान काम, काम आसान! *घर-बाजार ऑनलाइन शॉपिंग*
घर बैठे पाइए अपनी जरूरत का सामान, एक क्लिक कीजिए और काम आसान। ♦ कैश ऑन डिलीवरी ♦ ग्राहक की संतुष्टि हमारी पहचान ♦ सभी उत्पादों पर 50% की छूट
अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट– www.gharbazarshop.com *पर क्लिक करना न भूलें।*

अथवा

आरामदायक हवाई चप्पलों के प्रचार हेतु एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

पोद्दार हवाई चप्पल
हो कैसा भी सफर, *हर सफर का हमसफर* *चाहिए पैरों को आराम तो,* *चले आएँ हमारी डगर।*
अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट www.poddarshop.com *देखें।*

WWW.CBSE.ONLINE

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online